रीमा ट्रान्सपोर्ट

सफलता के २५ साल

श्री. अशोक कोठारी

श्री. दिलिप नाईक

कल्पना नाईक तथा राजू कोठारी दीप प्रज्वलन करते हुए

रजत जयंती समारोह द्वारा कंपनी की कार्यपद्धती को प्रकाश में लाया गया

रीमा ट्रान्सपोर्ट, मंबई-गोवा मार्ग की प्रसिद्ध कंपनी ने वर्ष २००८ में अपने योगदान के २५ वर्ष पुरे किये हैं, इस खुशी में एक समारोह का आयोजन किया गया था । समारोह मे कंपनी के सदस्य, कर्मचारी तथा ग्राहकों का समावेश था । प्रबंधन अधिकारीयों ने समारोह की रौनक को दोबाला कर दिया था । कार्यालय में पूजा-अर्चना द्वारा समारोह को आरंभ किया गया, पश्चात समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने इसका मनोरंजन उठाया ।

प्रबंधन कमिटी के चेअरमेन श्री. अशोक कोठारी समारोह को प्रमुख रुप से मार्गदर्शन कर रहे थे । इनके साथ कमिटी के अन्य उच्च अधिकारी श्री. दिलीप नाईक (मेनेजिंग डायरेक्टर), श्री. विश्वास नाईक (डायरेक्टर) तथा श्री. सुनिल कनैया की उपस्थिती मुख्य रुप से नजर आ रही थी । समारोह का मुख्य आकर्षन सौ. रीमा अपने पती श्री. धीरज जोगानी के साथ उपस्थित थी । सौ. रीमा, श्री. अशोक कोठारी की कन्या है, जिनके नाम पर कंपनी का नाम रखा गया है ।

समारोह कम समय का था, रीमा ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के मार्गदर्शक श्री. राजेन्द्र घारसे, श्री. डी. एन. कुम्ठा तथा श्री. राजू आजगांवकर मंच पर आकर अन्य सदस्यों के साथ विराजमान हो गये । ये तीनों समारोह के आदरनीय अतिथी थे, इनकी उपस्थिती कंपनी के लिये सम्मान का विषय थी । कंपनी इनके साथ भावनात्मक रुप से जुड़ी हुई है, कंपनी को प्रगती पथ पर ले जाने में इनका योगदान काफी विशेष है ।

श्री. अशोक कोठारी ने अपने भाषण से समारोह को आरंभ किया, कंपनी के २५ सालों पर फैली हुई गतिविधीयों को उन्होंने अपने भाषण द्वारा उपस्थितीयों के ज्ञान में लाया । कंपनी की शुरुआत मर्यादित रुप से थी लेकिन श्री. दिलीप नाईक के प्रवेश ने कंपनी को नई बुलंदी प्रदान की, उनका योगदान कंपनी के लिये उन्नती का प्रतीक है । कंपनी की उन्नती का एक कारण श्री. कोठारी ने बताया की उनकी कंपनी ग्राहकों की संतुष्टी तथा उनकी खुशी पर विशेष ध्यान देती है,

सभी कर्मचारीयों तथा सदस्यों को धन्यवाद कहते हुए श्री. दिलीप नाईक ने अपने

भाषण को आरंभ किया । कंपनी को प्रगती की राह दिखाने में उनके योगदान को उन्होंने सराहा । आज कंपनी रजत जयंती मना रही है, इतना लंबा सफर ग्राहकों, वेन्डर तथा सदस्यों के सहयोग के बिना मुमकिन नही था, इस प्रकार उन्होंने अपने आभार को प्रकट करते हुए अपने भाषण को समाप्त किया ।

आदरनीय अतीथीयों ने भी कंपनी की कार्यपद्धती की प्रशंसा की, उन्होंने कहा की कंपनी अपने कठोर परिश्रम द्वारा ही आज इस मुकाम को हासिल करने में सफल हुई है । श्री. राजेन्द्र घारसे ने ४ महत्त्वपूर्ण बातों को उजागर किया जो किसी भी कंपनी की सफलता की कुंजी को दर्शाते हैं । ग्राहकों के प्रति विशेष ध्यान, कार्यपद्धती की उत्कृष्टता, अच्छा मार्गदर्शन तथा अच्छे लोग कपंनी की सफलता में अहम रोल अदा करते हैं । उन्होंने कहा की मैंने इन चार बातों को रीमा ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड में पाया है और इसी कारण कंपनी आज अपनी सफलता के २५ साल का मजा ले रही है । श्री. डी. एन. कुम्ठा ने कहा की उन्होंने ४ फूट बाय ४ फूट का एक केबिन, जो की एक टेबल तथा कुछ कुर्सीयों पर आधारित था श्री. दिलीप नाईक को काम करते देखा है । कठोर परिश्रम के कारण कंपनी ने इस सफलता को प्राप्त किया है, कंपनी की इस सफलता पर उन्होंने अपनी खुशी को प्रकट किया । श्री. राजू आजगांवकर ने कहा की २५ साल पहले गोवा में उनके एक मित्र द्वारा रीमा ट्रान्सपोर्ट से परिचित हुए थे, और आज तक इसी कंपनी के साथ जुड़े हुए हैं । कठोर परिश्रम तथा अच्छा कर्मचारी वर्ग कंपनी की सफलता में अहम भूमिका रखता है, इस प्रकार समारोह में उन्होंने अपनी खुशी को प्रकट किया ।

मंच पर रीमा जोगानी की उपस्थिती बहुत ही कम समय के लिये थी, कंपनी को प्रगती की राह दिखाने वाले सभी लोगों को उन्होंने धन्यवाद कहा । और उम्मीद जताई की भविष्य में इसी प्रकार कंपनी अपनी सफलता को कायम रखेगी ।

रीमा ट्रान्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड की ताकत उसका कठोर परिश्रम तथा उसकी कार्यपद्धती है, कंपनी ने हमेशा ग्राहकों के संतोष पर विशेष ध्यान दिया है, जहाँ तक मुमकिन हो सकता है कंपनी ने ग्राहकों को बेहतर सर्विस देने में कार्यक्षमता का अच्छा नमूना पेश किया है । श्री. दिलीप नाईक, श्री. विश्वास नाईक तथा श्री. कोठारी का सहयोग कंपनी के लिये हमेशा मार्गदर्शन के जैसा रहा है । कार्यक्षमता को बेहतर रुप से अंजाम देना सरल काम नही है, इसके लिये कठोर परिश्रम की जरुरत होती है । लेकिन आज इसकी कमी हर जगह नजर आ रही है । अन्य कंपनीयों के लिये रीमा ट्रान्सपोर्ट एक उदाहरन है जिससे वे अपनी कार्यक्षमता को बेहतर बनाने हेतु संकेत ले सकते हैं ।

मैं ट्रान्स लॉजिस पत्रिका (पाक्षिक) को अनुमोदन करना चाहता हुँ ।

नाम : _____

कंपनी का नाम : _____

पद : _____

पता : _____

पता : _____

अनुमोदन की मुद्दत : _____

अनुमोदन की दरें : १ साल - ५०० रुपये, २ साल - ८०० रुपये

आप अपने ड्राफ्ट ट्रान्स लॉजिस के नाम इस पते पर भेजें :
१०६, भारत चेंबर्स, बरोडा स्ट्रीट, मस्जिद (पूर्व), मुंबई - ४०० ००९.